18 साल से काम कर रहे नौकर पर 750 ग्राम सोना और 15 लाख की चोरी का आरोप

ज्वैलर्स के यहां कार्यरत था आरोपी और दुकान के लेन-देन सहित कई जिम्मेदारियां संभालता था

अजमेर, (कासं)। नया बाजार चौपड़ स्थित लखोटिया ज्वैलर्स में लंबे समय से काम कर रहे एक नौकर पर दुकान से करीब 750 ग्राम सोना और 15 लाख रुपये की नकदी लेकर फरार होने का आरोप लगा है। आरोपी पिछले 18 वर्षों से ज्वैलर्स के यहां कार्यरत था और दुकान के लेन-देन सहित कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां संभालता था। घटना के बाद व्यापारी ने कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

- **घटना के बाद व्यापारी ने कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज कराई, पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू की**

पुलिस के अनुसार दुकान संचालक सूरज नारायण लखोटिया ने बताया कि सोमवार को रोजाना की तरह दुकान बंद की गई थी। मंगलवार को दुकान का साप्ताहिक अवकाश था। बुधवार सुबह दुकान खोलने के बाद आरोपी नौकर दिलीप चौरसिया ने फोन कर बताया कि वह एक-दो घंटे देरी से पहुंचेगा। काफी देर तक उसके नहीं पहुंचने पर दुकान मालिक ने उसके परिजनों से संपर्क किया। परिजनों ने बताया कि दिलीप सुबह करीब नौ बजे दुकान जाने की बात कहकर घर से निकला था। इसके बाद उसका मोबाइल फोन लगातार बंद आने लगा। संदेह होने पर दुकान में रखे जेवरात और नकदी की जांच की गई। जांच के दौरान करीब 750 ग्राम सोना और 15 लाख रुपये की नकदी गायब मिली। इसके बाद व्यापारी ने पुलिस को सूचना दी। व्यापारी के अनुसार आरोपी लंबे समय से दुकान पर काम कर रहा था और उसे दुकान के कई महत्वपूर्ण कार्यों की जानकारी थी। पुलिस ने शिकायत के आधार पर जांच शुरू कर दी है। पुलिस की अलग-अलग टीमें आरोपी के संभावित ठिकानों पर दबिश देकर उसकी तलाश कर रही हैं। मामले में पुलिस दुकान के आसपास लगे निगरानी कैमरों और अन्य संभावित सुरागों की भी जांच कर रही है।

कुएं से सिंचाई की पांच मोटर चोरी, ढाई लाख का नुकसान

अजमेर, (कासं)। रामगंज थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर 36 में फिल्टर प्लांट के सामने स्थित कुएं से अज्ञात चोर पांच सिंचाई मोटर चोरी कर ले गए। चोरों ने मोटरों से जुड़े पाइप काटकर वारदात को अंजाम दिया। चोरी की घटना से किसानों को करीब दो से ढाई लाख रुपए का आर्थिक नुकसान हुआ है। घटना के बाद क्षेत्र के किसानों में रोष और सुरक्षा को लेकर चिंता बनी हुई है।

- **घटना के बाद क्षेत्र के किसानों में रोष, सुरक्षा को लेकर चिंता बनी हुई है**
- **रात के समय कुएं के आस पास संदिग्ध लोगों की आवाजाही**

पीड़ित किसान खुर्शीद अहमद ने रामगंज थाने में शिकायत देकर बताया कि रात के समय कुएं के आसपास अक्सर नशेड़ियों और संदिग्ध लोगों का जमावड़ा रहता है। ऐसे में यहां चोरी की घटनाओं को लेकर पहले से ही आशंका बनी हुई थी।

किसान का आरोप है कि इसी का फायदा उठाकर चोरों ने कुएं पर लगी पांच सिंचाई मोटरों को निशाना बनाया। किसान के अनुसार चोरों ने मोटरों को निकालने के लिए उनके पाइप काट दिए और मोटरों को लेकर फरार हो गए। सुबह जब किसान कुएं पर पहुंचे तो मोटर गायब मिलने पर चोरी की जानकारी हुई। इसके बाद आसपास के लोगों को घटना की जानकारी दी गई और रामगंज थाना पुलिस को शिकायत दी गई। शिकायत मिलने के बाद रामगंज थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने आसपास के क्षेत्र में जानकारी जुटाने के साथ ही मामले की जांच शुरू कर दी है। किसान ने पुलिस से आरोपियों की जल्द पहचान कर उन्हें गिरफ्तार करने तथा चोरी हुई मोटरों को बरामद करने की मांग की है।

खाली वॉयल में कैंसर की घटिया दवा बेचने की जांच होगी

बीकानेर, (निसं)। कैंसर मरीजों के लिए जरूरी बोवेंशियो 200 एमजी/10 एमएल इंजेक्शन के 2700 वॉयल की खेप राजस्थान मेडिकल सप्लाई कॉर्पोरेशन लिमिटेड से बीकानेर, जयपुर, जोधपुर और उदयपुर मेडिकल कॉलेजों को भेजी थी। इन्हीं में से चार वॉयल क्राइम ब्रांच दिल्ली ने ब्लैक मार्केट से बरामद किए थे। चारों मेडिकल कॉलेजों की जांच के लिए तीन कमेटियां बनाई गई हैं। दवाओं के वितरण की पूरी सप्लाई चेन, अस्पतालों द्वारा भेजे गए इंडेंट की प्रक्रिया और वेयरहाउस से डिस्पैच रिकॉर्ड की जांच की जाएगी। पीबीएम अस्पताल में कैंसर के मरीजों को 50 हजार रुपए से महंगी दवा देने के लिए ट्यूमर बोर्ड बना हुआ है। ड्रग वेयर हाउस से सब स्टोर और वहां से मरीज को दवा लगाने तक की प्रक्रिया का लिखित रिकॉर्ड रखा जाता है।

- **कैंसर मरीजों के लिए जरूरी बोवेंशियो 200 एमजी/10 एमएल इंजेक्शन के 2700 वॉयल की खेप बीकानेर, जयपुर, जोधपुर और उदयपुर मेडिकल कॉलेजों को भेजी थी**
- **इन्हीं में से चार वॉयल क्राइम ब्रांच दिल्ली ने ब्लैक मार्केट से बरामद किए थे, चारों मेडिकल कॉलेजों की जांच के लिए तीन कमेटियां बनाई**

सूत्रों का कहना है कि आरएमएससीएल से लेकर मरीज के लिए दवा वितरण करने तक की सप्लाई चेन की कड़ी में कहीं खामी है। इसी वजह से कैंसर के महंगे इंजेक्शन दिल्ली के ब्लैक मार्केट में पहुंचे। आशंका है कि या तो दवा के खाली वॉयल चोरी हो रहे हैं और उनमें घटिया दवा भरकर बेची जा रही है या ब्लैक मार्केट में दवा बेचने के लिए मरीजों के नाम से फर्जी इंडेंट तैयार किए गए हैं। इधर, पीबीएम प्रशासन की रिपोर्ट के अनुसार तुलसी कैंसर संस्थान में कीमोथेरेपी दवाओं का अलग स्टोर नहीं है। 50,000 से अधिक कीमत वाले इंजेक्शन ट्यूमर बोर्ड, एचओडी, रेजीडेंट डॉक्टर और प्राचार्य की स्वीकृति के बाद ही स्वीकृत किए जाते हैं।

बीकानेर कैंसर इंस्टीट्यूट में कैंसर के मरीजों के लिए निशुल्क सप्लाई होने वाला इंजेक्शन दिल्ली के ब्लैक मार्केट में बरामद होने के खुलासे के बाद सरकार ने सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने कहा कि सरकार मरीजों को बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के उपचार में उपयोग होने वाली महंगी दवाओं की उपलब्धता और उनके सुरक्षित उपयोग की नियमित मॉनिटरिंग की जा रही है। आरएमएससीएल एवं संबंधित अधिकारियों से दवा की पूरी सप्लाई चेन, स्टॉक रजिस्टर, इंडेंट, डिस्पैच एवं अस्पताल स्तर पर वितरण का रिकॉर्ड तत्काल जांचने के निर्देश दिए हैं। जांच में सरकारी दवा की आपूर्ति में किसी स्तर पर अनियमितता अथवा मिलीभगत सामने आती है तो संबंधित अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई होगी।

कार्यस्थल पर तबीयत बिगड़ने से युवक की मौत

जोधपुर, (कासं)। शहर के चौपासनी हाउसिंग बोर्ड स्थित सेक्टर 23 में एक युवक की कार्यस्थल पर संदिग्ध हालात में तबीयत बिगड़ गई। पहले निजी अस्पताल फिर एम्स अस्पताल ले जाया गया, मगर बाद में उसकी मौत हो गई। इस बारे में रिश्तेदार की तरफ से मर्ग में रिपोर्ट दी गई।

चौपासनी हाउसिंग बोर्ड पुलिस ने बताया कि शिक्षक कॉलोनी, गली नंबर 6 में रहने वाला वीरेंद्र प्रताप सिंह सेक्टर 23 में बेलकिट में कार्यरत था। इसी दौरान उसकी तबीयत बिगड़ गई। उसकी कार्यस्थल पर संदिग्ध हालात में तबीयत बिगड़ने पर निजी अस्पताल ले जाया गया। जहां से बाद में एम्स अस्पताल रैफर किया गया, मगर वहां उसकी मौत हो गई। उसके रिश्तेदार शिक्षक कॉलोनी, गली नंबर 6 निवासी भारत सिंह की तरफ से मर्ग में रिपोर्ट दी गई। शव को पोस्टमार्टम करवा परिजन के सुपुर्द किया गया।

सीकर के तनिष्क शोरूम पर फायरिंग के आरोपी की मौका तस्दीक कराई

आरोपी ने मैसूर में भी 10 करोड़ के सोने की लूट की वारदात की थी

सीकर। सीकर में तनिष्क शोरूम पर फायरिंग के मामले में गिरफ्तार आरोपी बिट्टू कुमार को पुलिस घटनास्थल पर लेकर पहुंची और वारदात से जुड़े तथ्यों की पड़ताल की। आरोपी इससे पहले पुलिस की गिरफ्त से निकलने के लिए हथियार छीनकर भागने की कोशिश कर चुका था, जिस दौरान पुलिस कार्रवाई में उसके पैर में गोली लगी थी।

- **आरोपी इससे पहले पुलिस की गिरफ्त से निकलने के लिए हथियार छीनकर भागने की कोशिश कर चुका था, जिस दौरान पुलिस कार्रवाई में उसके पैर में गोली लगी थी**
- **26 जुलाई की सुबह तनिष्क शोरूम पर तीन फर्जी नंबरों की बाइक पर आये छह बदमाशों ने लूट के इरादे से एक फायर किया था**

पुलिस के अनुसार, आरोपी का आपराधिक रिकॉर्ड भी खंगाला जा रहा है और उस पर मैसूर में करीब 10 करोड़ रुपए के सोने की लूट में शामिल होने का भी आरोप है। आरोपियों ने वारदात को अंजाम कैसे दिया, इस पर पुलिस ने आरोपी से पूछताछ की। हालांकि, मामले में पांच आरोपी अभी भी फरार चल रहे हैं।

जानकारी के अनुसार 26 जुलाई की सुबह करीब 11:40 बजे सिल्वर जुबली रोड स्थित तनिष्क शोरूम पर वारदात हुई थी। जहां तीन फर्जी नंबरों की बाइक पर छह बदमाश आए थे। इस दौरान बदमाशों ने लूट के इरादे से वहां एक फायर भी किया था। शोरूम स्टाफ के द्वारा सायरन बजाने पर आरोपी वहां से फरार हो गए। पुलिस ने 8 अगस्त को घटना में शामिल मास्टरमाइंड बिट्टू कुमार उर्फ अजीत आनंद (28) निवासी मोती बिहारी और घटना में सहयोग करने वाले अन्य दो आरोपी राहुल और संजीव को गिरफ्तार कर लिया था। गिरफ्तारी के बाद सीकर के रघुनाथगढ़ में आरोपी बिट्टू ने पुलिस के टॉयलेट करने की बात कहकर गाड़ी रुकवाई और पुलिस जवान के हाथ से हथियार छीनकर भागने लगा।

इस दौरान इंस्पेक्टर सुनील जांगिड़ ने अपनी सर्विस रिवॉल्वर से आरोपी बिट्टू के पैर में गोली मार दी थी। जिसका करीब एक सप्ताह तक सीकर के एसके हॉस्पिटल में चल रहा था। बुधवार को उसे अस्पताल से डिस्चार्ज करने के बाद पुलिस कस्टडी में लिया गया। हालांकि, आरोपी राहुल और संजीव को पहले ही जेल भेज दिया गया है। लेकिन आरोपी बिट्टू को आज (गुरुवार) पुलिस रिमांड के लिए कोर्ट में पेश किया गया। इसके बाद पुलिस उसे मौका तस्दीक के लिए घटनास्थल पर लेकर आई। जहां आरोपी ने पुलिस को घटना के बारे में बताया। इसके बाद पुलिस आरोपी को वापस थाने ले गई। जहां पुलिस आरोपी से पूछताछ में जुट गई है।

गौरतलब है कि कि 28 दिसंबर 2025 को भी आरोपी बिट्टू कुमार मैसूर में स्काई शोरूम पर 10 करोड़ रुपए के सोने की लूट की वारदात को अंजाम दे चुका है। आरोपी बिट्टू उस घटना का मास्टरमाइंड था। आरोपी पर पूर्व में 12 मुकदमे दर्ज हैं। आरोपी बिट्टू बिहार में 2 मर्डर भी कर चुका है। फिलहाल पुलिस अब सीकर में उसके साथ घटना में शामिल अन्य 5 फरार आरोपियों के बारे में पूछताछ कर रही है। वहीं आरोपी बिट्टू सरदार गैंग का मेंबर भी बताया जा रहा है। गैंग भारत के कई इलाकों में लूट और डकैती जैसी वारदातों को अंजाम दे चुकी है। गैंग के लोग फर्जी नंबरों के वाहनों से वारदात करते है। जहां पर रुकते हैं, वहां फर्जी आईडी से बुकिंग करते है। वारदात करने के बाद गाड़ियों के जरिए फरार हो जाते हैं।

प्रेमी युगल का 10.76 लाख की नगदी का बैग ट्रेन में छूटा

जोधपुर, (कासं)। शादी के सपने लेकर घर से निकले प्रेमी जोड़े को मेड़ता रोड स्टेशन पर ट्रेन से उतरना भारी पड़ गया। दोनों प्लेटफॉर्म पर उतरकर बातचीत में मशगूल हुए और ट्रेन चल पड़ी। वे चाह कर भी ट्रेन नहीं पकड़ पाए। देखते ही देखते ट्रेन आंखों से ओझल हो चुकी थी। ट्रेन में उनका बैग रह गया था। जिसमें में 10 लाख 76 हजार नकद, जेवर और लाखों रुपए का कीमती सामान था।

घटना के अनुसार 19 वर्षीय युवक और 17 साल 8 माह की किशोरी जोधपुर से ट्रेन संख्या 19407 साबरमती-लालगढ़ एक्सप्रेस में सवार हुए थे। दोनों घर से बिना बताए शादी करने निकले थे। मेड़ता रोड पर उतरते समय उनका काला बैग सीट पर ही छूट गया। आरपीएफ मेड़ता रोड पोस्ट को इसकी सूचना मिली तो तत्काल नागौर आरपीएफ को अलर्ट किया गया। ट्रेन के नागौर पहुंचते ही हेड कांस्टेबल भूरामल मय स्टाफ सामान्य कोच में पहुंचे। यात्रियों से पूछताछ करते हुए सीटों के आसपास तलाशी शुरू की गई। आखिरकार वही काला बैग मिल गया। नागौर स्टेशन के बुकिंग कार्यालय में आरपीएफ एसआई रमेश कुमार, आरपीएफ स्टाफ तथा जीआरपी हेड कांस्टेबल नाथूलाल मय स्टाफ की मौजूदगी में बैग खोला गया। इसमें 10 लाख 76 हजार 30 नकद, चांदी जैसी धातु के चार सिक्के, दो बिछियां, एक घूघरी और सोने जैसी धातु की चार लोंग मिलीं। बैग में आईफोन-15 प्रो, स्मार्ट वॉच भी थे। इसके अलावा दो रेल टिकट, युवक के शैक्षिणक दस्तावेज, आधार कार्ड और आईफोन का 67 हजार का बिल भी मिला। पूछताछ में युवक ने अपना नाम शिवा (19), निवासी बासनी निकुबा,जोधपुर बताया जबकि किशोरी की उम्र 17 साल 8 माह थी। दोनों साथ में पढ़ते हैं और आपसी प्रेम के चलते शादी करने के लिए घर से निकले थे। आरपीएफ ने परिजनों से संपर्क किया तो युवक की गुमशुदगी डांगियावास थाने में दर्ज मिली, जबकि किशोरी के पिता की शिकायत पर बनाड़ थाने में गुमशुदगी दर्ज थी। इसके बाद बनाड़ थाना पुलिस के उप निरीक्षक पुखराज मय स्टाफ मेड़ता रोड आरपीएफ पोस्ट पहुंचे। कार्रवाई के बाद दोनों को बरामद बैग और सामान सहित पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया।

जोधपुर में महिला ने फंदा लगाकर जान दी

जोधपुर, (कासं)। शहर के भगत की कोठी पुलिस थाना क्षेत्र मधुबन स्थित खारी ढाणी में रहने वाली एक महिला ने अपने घर में फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। उसकी शादी को पांच साल से कम ही समय हुआ था। मामले में अब एडीएम द्वितीय की तरफ से जांच की जा रही है। पिता की तरफ से मर्ग में रिपोर्ट दी गई। शव का मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाया गया।

भगत की कोठी पुलिस ने बताया कि मूलत: उत्तरप्रदेश के मिर्जापुर हाल खारी ढाणी मधुबन में किराए पर रहने वाली माया पत्नी सतीश पाल ने अपने घर में फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। उसके आत्महत्या का कारण सामने नहीं आया है।

उसके फंदा लगाने की सूचना पर पिता शिव पर्सन मिर्जापुर से जोधपुर पहुंचे। शव का पुलिस ने मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम कराया है। शादी को पांच साल से कम ही समय हुआ था। इस बारे में मर्ग की रिपोर्ट दिए जाने के साथ अब जांच एडीएम द्वितीय दौलतराम चौधरी की तरफ से जांच की जा रही है।

पाटन के ग्राम पंचायत राजपुरा में बावरिया परिवार की बेटी शिक्षक बनीं

रितु बावरिया पुत्री कैलाश बावरिया ने गणित विषय के पद पर राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय नीबी कला, डीडवाना-कुचामन में पदभार ग्रहण किया।

पाटन, (निसं)। निकटवर्ती ग्राम पंचायत राजपुरा में बावरिया परिवार की पहली बेटी के शिक्षक बनने पर परिजनों के साथ ग्रामीणों में भी खुशी का माहौल है। रितु बावरिया पुत्री कैलाश बावरिया का गणित विषय के पद पर राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय नीबी कला, डीडवाना-कुचामन में पदस्थापन हुआ है।

प्रशासक मुकेश कुमार मीणा ने विद्यालय पहुंचकर रितु को पद ग्रहण करवाया। रितु के पद ग्रहण के दौरान उनके ताऊजी बाबूलाल, पिता कैलाश, भाई कृष्ण कुमार, राजू बावरिया एवं प्रशासक मुकेश मीणा मौजूद रहे। विद्यालय स्टाफ ने रितु का साफा एवं माला पहनाकर स्वागत किया तथा सभी का मुंह मीठा करवाया। बताया गया कि राजपुरा ग्राम पंचायत में करीब 20-25 बावरिया परिवार निवास करते हैं। खास बात यह है कि इससे पहले इन परिवारों में किसी भी व्यक्ति की सरकारी नौकरी नहीं लगी थी। ऐसे में रितु ने शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने का संकल्प लेकर कड़ी मेहनत की और अपने साथ परिवार के सपने को भी साकार किया। रितु की इस उपलब्धि से परिवार के साथ पूरे समाज में खुशी की लहर है। क्षेत्रवासियों ने रितु बावरिया को शिक्षक बनने पर बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

चिड़ावा में साइबर ठगी का आरोपी गिरफ्तार

चिड़ावा, (निसं)। साइबर अपराधों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत चिड़ावा थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 95,848 रूपए की साइबर ठगी के मामले में वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के बैंक खाते पर समन्वय पोर्टल के माध्यम से अलग-अलग राज्यों से साइबर ठगी की कुल पांच शिकायतें दर्ज होना सामने आया है। पुलिस जांच में आरोपी द्वारा अपने साथियों के साथ मिलकर लोगों से साइबर ठगी किए जाने की बात भी सामने आई है।

पुलिस के अनुसार नेशनल साइबर पोर्टल एवं समन्वय पोर्टल पर एक बैंक खाते के संबंध में पांच साइबर ठगी की शिकायतें दर्ज होने पर जांच के लिए प्रकरण प्राप्त हुआ। पुलिस ने एसबीआई बैंक चिड़ावा से खाताधारक का रिकॉर्ड प्राप्त किया। जांच में बैंक खाता अंकित के नाम से होना सामने आया। खाते में कुल 95,848 रूपए की साइबर फ्रॉड राशि आने की पुष्टि हुई। इसके बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू की। आरोपी अंकित उर्फ मोगा पुत्र मोहनलाल निवासी निमाजपुरा, तन ओजटू, पुलिस थाना चिड़ावा, जिला झुंझुनूं को थाना स्तर की टॉप-टेन वांछित सूची में शामिल किया गया और उसकी गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम गठित की गई। गठित टीम ने लगातार प्रयास करते हुए 18 अगस्त को आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने अपने साथियों के साथ मिलकर लोगों के साथ साइबर ठगी करना स्वीकार किया है।

पैदल जा रही महिला की सोने की चेन तोड़ी : सीकर में पैदल जा रही महिला के गले से चेन छीनने का मामला सामने आया है। बजाज रोड निवासी नंदकिशोर ने कोतवाली पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। रिपोर्ट के अनुसार नंदकिशोर की पत्नी राखी और उनकी बेटी पैदल स्टेशन रोड से घर आ रहे थे। तभी एक बाइक पर दो बदमाश हेलमेट लगाकर आए और राखी के गले से मंगलसूत्र, सोने की चेन और लॉकेट तोड़कर फरार हो गए। मंगलसूत्र का आधा टुकड़ा गले में ही रह गया।

ब्रजेन्द्र कुमार सिंहल को ''मीरां मेड़तणी साहित्य पुरस्कार'' मिला

मेड़ता सिटी, (निसं)। मीरां शोध संस्थान के संस्थापक एवं वयोवृद्ध वरिष्ठ साहित्यकार श्री दीपचन्द सुथार की पुण्य स्मृति में मीरां शोध संस्थान द्वारा मीरा स्मारक परिसर में आयोजित समारोह में दिल्ली प्रवासी जयपुर निवासी ब्रजेन्द्रकुमार सिंहल को भक्त शिरोमणि मीरांबाई के जीवनवृत पर लिखी गई ऐतिहासिक पुस्तक ''मीरांबाई : प्रामाणिक जीवनी एवं मूल पदावली'' के लिए ''मीरां मेड़तणी साहित्य पुरस्कार '' दिया गया, जिसमें पुरस्कार स्वरूप 21 हजार रूपए का चेक, अभिनंदन पत्र, स्मृति चिन्ह, श्रीफल के साथ दुपट्टा पहनाकर सम्मान किया गया। मीरांबाई के जीवन, व्यक्तित्व, कृतित्व, साहित्य एवं मूल पदावली के प्रामाणिक अध्ययन की दृष्टि से इस कृति को महत्वपूर्ण माना गया है। पुरस्कार के माध्यम से मीरां साहित्य के गंभीर अध्ययन , शोध एवं प्रामाणिक लेखन को प्रोत्साहन देने का प्रयास किया जा रहा है। समारोह मुख्य अतिथि कोटा धाम के महंत निरंजन महाराज, समारोह अध्यक्ष, संयोजक-राजस्थानी परामर्श मण्डल, नई दिल्ली डॉ. अर्जुन देव चारण, वरिष्ठ साहित्यकार देवकिशन राजपुरोहित, निदेशक बाबा रामदेव शोध पीठ, जयनारायण व्यास वि. विद्यालय जोधपुर डॉ. गजेसिंह राजपुरोहित, मीरां जयंती महोत्सव समिति अध्यक्ष मुकेश जोशी एडवोकेट के कर कमलों द्वारा प्रदान किया गया।

- **ब्रजेन्द्र सिंहल को मीरांबाई के जीवनवृत पर लिखी गई पुस्तक ''मीरांबाई : प्रामाणिक जीवनी एवं मूल पदावली'' के लिए सम्मानित किया गया**

मीरां शोध संस्थान द्वारा आयोजित समारोह में ब्रजेन्द्रकुमार सिंहल का सम्मान किया गया।

संस्थान सचिव नंदू श्री मंत्री ने बताया कि इस मौके मीरा शोध संस्थान भामाशाह हस्तीमल डोसी, भंवरलाल बजाज, नवरतन पंवार, सोहन लाल गहलोत, राजेंद्र, गोपी किशन बंग, महावीर ओस्तवाल, संजय जोशी का भी सम्मान पत्र, मोमेंटो, दुपट्टा पहनाकर कर अभिनंदन किया गया। समारोह का आगाज सरस्वती एवं मीरा के चित्र पर दीप प्रज्वलित एवं माला पहनाकर किया गया उसके बाद अतिथियों का साफा दुपट्टा माला पहनाकर स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया गया। उसके बाद मीरा शोध संस्थान परिसर में स्व दीपचंद सुथार की मूर्ति अनावरण किया गया। इस अवसर पर संरक्षक गोविंद सुथार, डॉ. जतन राज मेहता, पुखराज टाक, वीरेंद्र वर्मा,ओम प्रकाश रूनवाल, घनश्याम डालिया, धन सिंह राठौर, जे के वैष्णव, कृष्ण गोपाल गौड, प्रकाश व्यास, भीकम चंद व्यास, मनोहर लाल गहलोत, जितेंद्र सिखवाल, नरेंद्र सिंह जसनगर, उमेश सिखवाल, छोटा राम बोराना, डॉ. कालू खा देशवाली आदि उपस्थित रहे। साथ ही दीप चंद सुथार की परिजन एवं मूल पैतृक स्थान से सैकड़ों परिजन जन सहित मेड़ता क्षेत्र के जांगिड़ समाज बंधु उपस्थित रहे। मंच का सफल संचालन डॉ. रामरतन लाटियाल और राजीव पुरोहित ने किया।

प्रदेश के सरकारी स्कूलों में शिक्षकों के रिक्त पद विद्या संबल योजना से भरे जाएंगे

बीकानेर, (निसं)। प्रदेश के सरकारी स्कूलों में शिक्षकों के रिक्त पद अब विद्या संबल योजना के जरिए भरे जाएंगे। शिक्षा विभाग ने सभी जिलों में योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए हैं। खास बात यह है कि नया शैक्षणिक सत्र शुरू हुए करीब पांच महीने बीत चुके हैं और अब स्कूलों में गेस्ट फैकल्टी लगाने की प्रक्रिया शुरू होगी। इस दौरान अधिकांश स्कूलों में सेकंड टेस्ट तक हो चुके हैं। ऐसे में स्कूलों को शिक्षक तो मिल जाएंगे, लेकिन बचे हुए समय में विद्यार्थियों का पूरा कोर्स करवाना चुनौती बन सकता है।

- **नया शैक्षणिक सत्र शुरू हुए करीब पांच महीने बीत चुके हैं और अब स्कूलों में गेस्ट फैकल्टी लगाने की प्रक्रिया शुरू होगी**
- **स्कूलों को शिक्षक तो मिल जाएंगे, लेकिन बचे हुए समय में विद्यार्थियों का पूरा कोर्स करवाना चुनौती बन सकता है**

वित्त विभाग के 30 मार्च 2021 के परिपत्र में विद्या संबल योजना के तहत शैक्षणिक सत्र शुरू होने से पहले रिक्त पदों का आकलन करने का प्रावधान है। नियमित नियुक्ति की प्रक्रिया पूरी होने में लगने वाले समय को देखते हुए गेस्ट फैकल्टी के माध्यम से अध्यापन व्यवस्था करने की अनुमति अब दी गई है। अब शिक्षा विभाग ने इसी व्यवस्था को वर्तमान शैक्षणिक सत्र में लागू करने के निर्देश दिए हैं। स्कूलों में नया सत्र शुरू हुए करीब पांच महीने हो चुके हैं। इस दौरान पढ़ाई के साथ फर्स्ट और सेकंड टेस्ट भी हो चुके हैं। अब अक्टूबर में हाफ इयरली एग्जाम है। अभी कलैक्टर को आदेश मिले हैं, जिसका प्रोसेस करने में करीब एक महीना लगेगा। ऐसे में अब रिक्त पदों पर गेस्ट फैकल्टी लगाए जाने से शिक्षकों की कमी तो दूर होगी, लेकिन विद्यार्थियों का छूटा हुआ पाठ्यक्रम पूरा करवाने के लिए शिक्षकों के पास सीमित समय रहेगा। खासकर उन विषयों में परेशानी अधिक हो सकती है, जहां लंबे समय से शिक्षक का पद खाली है।

प्रदेश में स्थानीय निकाय चुनाव की प्रक्रिया भी चल रही है। ऐसे में 12 सितंबर तक विद्या संबल योजना के तहत संविदा आधार पर गेस्ट फैकल्टी लगाने की प्रक्रिया को लेकर भी विवाद की स्थिति बन सकती है। हालांकि आदेश में गेस्ट फैकल्टी के चयन के लिए जिला स्तरीय समिति और निर्धारित प्रक्रिया का प्रावधान किया गया है। आदेश के अनुसार प्रत्येक जिले में जिला स्तरीय समिति होगी, जिसके अध्यक्ष जिला कलेक्टर या उनके द्वारा मनोनीत अधिकारी होंगे। संबंधित विभाग का जिला स्तरीय अधिकारी या विभागीय नोडल अधिकारी समिति का सदस्य सचिव होगा। शैक्षणिक सत्र शुरू होने से पहले समिति की ओर से आवेदन आमंत्रित किए जाने का प्रावधान है। निर्धारित न्यूनतम शैक्षणिक परीक्षा में प्राप्त अंकों के आधार पर वरीयता सूची तैयार की जाएगी। इसके आधार पर उपलब्धता के अनुसार गेस्ट फैकल्टी की सेवाएं ली जाएंगी। प्रत्येक रिक्त पद के लिए यथासंभव तीन अभ्यर्थियों का पैनल तैयार किया जाना है।

गेस्ट फैकल्टी के लिए संबंधित सेवा नियमों में निर्धारित शैक्षणिक योग्यता रखने वाले सेवानिवृत्त कर्मचारी या निजी अभ्यर्थी पात्र हो सकते हैं। चयन जिला स्तरीय समिति की प्रक्रिया के अनुसार किया जाएगा। न्यूनतम शैक्षणिक परीक्षा में प्राप्त अंकों के आधार पर वरीयता सूची तैयार होगी। प्रत्येक रिक्त पद के लिए यथासंभव तीन अभ्यर्थियों का पैनल बनाया जाएगा। स्कूलों में ग्रेड-थर्ड के लिए प्रति पीरियड 300 रुपए मानदेय दिया जाएगा। ग्रेड-थर्ड के लिए प्रति पीरियड 350 रुपए मानदेय दिया जाएगा। ग्रेड-प्रथम के लिए प्रति पीरियड 400 रुपए मानदेय दिया जाएगा।

अनुदेशक और प्रयोगशाला सहायक के लिए प्रति पीरियड 300 रुपए मानदेय निर्धारित है। स्कूल/प्रशिक्षण संस्थान में अधिकतम मासिक मानदेय क्रमश: ग्रेड-थर्ड 21 हजार, ग्रेड-सेकिन्ड 25 हजार और ग्रेड-प्रथम 30 हजार रुपए होगा। गेस्ट फैकल्टी के कार्य की मॉनिटरिंग की जाएगी और संतोषजनक कार्य संपादन के आधार पर भुगतान की कार्रवाई होगी।

जिस रिक्त पद के विरुद्ध गेस्ट फैकल्टी लगाई गई है, उस पद पर नियमित नियुक्ति होते ही गेस्ट फैकल्टी की व्यवस्था स्वत: समाप्त मानी जाएगी। गेस्ट फैकल्टी की व्यवस्था पूर्ण रूप से अस्थायी होगी। इसके आधार पर भविष्य में नियमित नियुक्ति का दावा नहीं किया जा सकेगा। निर्धारित शर्तों के अनुसार गेस्ट फैकल्टी से शपथ-पत्र लिया जाएगा। आवेदन में दी गई शैक्षणिक और अन्य जानकारियां गलत या फर्जी पाए जाने पर गेस्ट फैकल्टी से हटाने के साथ नियमानुसार कार्रवाई की जा सकेगी। गेस्ट फैकल्टी को आवंटित स्थान पर कार्य करना होगा और स्थान परिवर्तन की मांग नहीं कर सकेगा।